मंगलवार , 10 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 75

CITY NEWS MUMBAI

# BJP सांसद निशिकांत ने राहुल से पूछा चीन से जुड़े दो बड़े सवाल

## 200 लोगों के नाम-पते सार्वजनिक करने की मांग

बीजेपी सांसद निशिकांत दूबे ने राहुल गांधी से चाइना मुद्दे को लेकर सवाल पूछा है। राहुल गांधी से साल 2018 में चीन भेजे गए 200 लोगों के नाम और पते सार्वजनिक करने की मांग की है। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी से पूछा सवाल चीन भेजे गए 200 लोगों के नाम और पते सार्वजनिक करने की मांग की बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का दावा साल 2018 में राहुल गांधी की कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान हुई थी चीन के किन दो मंत्रियों मुलाकात बीजेपी सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से चीन के साथ कांग्रेस के संबंधों और 2018 में उनकी कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर दो अहम सवाल पूछे हैं। दुबे ने सोशल मीडिया पर राहुल गांधी से पूछा कि यात्रा के



दौरान उनकी मुलाकात चीन के किन दो मंत्रियों से हुई थी? इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (CPC) के बीच वर्ष 2008 में हुए समझौते के तहत 2018 तक कथित एक्सचेंज प्रोग्राम के जरिए चीन भेजे गए 200 लोगों के नाम और पते सार्वजनिक करने की मांग की। दुबे ने अपने सवाल में कहा कि राहुल गांधी बताएं कि 2018 में कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात चीन के किन दो मंत्रियों से हुई थी। उन्होंने दूसरा सवाल उठाते हुए पूछा कि वर्ष 2008 में कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के बीच हुए समझौते के बाद अदला-बदली कार्यक्रम के तहत 2018 तक किन 200 लोगों को चीन भेजा गया था। उन्होंने इन सभी लोगों की पहचान और पते बताने की मांग की। नक्सलवाद के मुद्दे पर भी उठाए सवाल ...शेष 7 पर

## मुंबई में दिवाली पर पटाखों से 24 घंटे में आग की 137 घटनाएं, BMC ने जारी की गाइडलाइन और हेल्पलाइन

मुंबई में दिवाली पर 24 घंटे में आग लगने की 142 घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 137 पटाखों से हुईं। हादसों से बचाव के लिए BMC ने आपातकालीन गाइडलाइन और हेल्पलाइन नंबर जारी किए। मुंबई में पिछले 24 घंटे में आग लगने की 142 घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें से 137 घटनाएं पटाखों के कारण हुईं। हादसों में दो महिलाएं घायल हुई हैं। बीएमसी ने 101, 1916 समेत सात हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। पटाखे खुले स्थान पर जलाने और बच्चों को अकेला न छोड़ने की अपील की गई है। मुंबई



में दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ते समय नागरिक विशेष सावधानी बरतें और अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें। छोटी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। यह अपील मुंबई महानगरपालिका (BMC) और मुंबई अग्निशमन दल ने जारी की है। बीएमसी ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए आग से बचाव के जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए हैं। मुंबई में पिछले 24 घंटे में आग लगने की 142 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 137 घटनाएं पटाखों के कारण हुईं। इन घटनाओं में दो महिलाएं घायल हुई हैं। ये हेल्पलाइन नंबर किए जारी मुंबई अग्निशमन दलः 101 बीएमसी हेल्पलाइनः 1916 9076333101 9076333102 9076333103 9076333104 ...शेष 7 पर

## महाराष्ट्र में सूखे से जूझ रहे किसानों की मदद के लिए सिद्धिविनायक मंदिर ने दिए 10 करोड़ रुपये, CM को सौंपा चेक



महाराष्ट्र के सूखा प्रभावित किसानों की राहत के लिए श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास ने CM सहायता निधि में 10 करोड़ रुपये दिए। सीएम देवेंद्र फडणवीस को यह चेक सौंपा गया। सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास ने मुख्यमंत्री सहायता निधि में 10 करोड़ रुपये दिए। सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को चेक सौंपा गया। राशि का उद्देश्य सूखा प्रभावित किसानों और नागरिकों को राहत पहुंचाना है। ...शेष 7 पर

## दिवाली के बाद पटाखों पर बैन लगाने का क्या मतलब? मुंबई की मेयर रितू तावड़े से वारिस पठान का सवाल



मुंबई में 25 नवंबर तक रॉकेट और हवाई पटाखों पर रोक के फैसले पर वारिस पठान ने मेयर ऋतु तावड़े को घेरा। 142 फायर कॉल और 137 पटाखों से जुड़ी घटनाओं पर मांगा जवाब। मेयर द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला काफी देर से लिया गया। मुंबई में आग लगने की एक सौ सैंतीस घटनाएं पटाखों के कारण हुईं। प्रशासन ने समय रहते पटाखों के खतरों को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की। मुंबई में रॉकेट और आसमान में फूटने वाले पटाखों पर 25 नवंबर तक प्रतिबंध लगाने के फैसले को लेकर एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने मेयर ऋतु ...शेष 7 पर

## किसान की झोपड़ी में दिवाली मनाने पहुंचे शिंदे, बेटी की पढ़ाई और शादी की ली जिम्मेदारी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सूखे के बीच किसान के घर दिवाली मनाने पहुंचे। किसान परिवार का दर्द सुनकर उन्होंने बेटी की पढ़ाई और विवाह की जिम्मेदारी ली। किसानों के लिए और क्या एलान किया? महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को किसानों से हिम्मत नहीं हारने की अपील की। उन्होंने कहा कि सूखे के बीच किसान निराश न हों। कोई भी गलत कदम न उठाएं। राज्य सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। एकनाथ शिंदे ने जालना जिले के भीलपुरी गांव में किसान अंबादास तांगड़े के घर दिवाली मनाई। उन्होंने किसान परिवार के साथ खाना भी



खाया। इस दौरान उन्होंने परिवार को सरकारी मदद का भरोसा दिया। किसानों को लेकर उपमुख्यमंत्री शिंदे ने क्या कहा? शिंदे ने कहा, किसानों को हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और कोई भी गलत कदम नहीं उठाना चाहिए। सरकार मजबूती से उनके साथ खड़ी है। सरकारी खजाने पर सबसे पहला अधिकार किसान का है। सरकार ने 5,000 रुपये की अग्रिम आर्थिक मदद दी है। आगे भी सहायता दी जाएगी। उन्होंने किसानों की बेटियों के लिए सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने की भी घोषणा की। किसान की बेटी की पढ़ाई और शादी की जिम्मेदारी ली उपमुख्यमंत्री शिंदे ने अंबादास तांगड़े की साधारण झोपड़ी में परिवार के साथ भोजन किया। उन्होंने किसान की बेटी की पढ़ाई और शादी की जिम्मेदारी लेने की बात कही। किसान की बेटी अभी 12वीं कक्षा में पढ़ती है। उसने शिंदे को बताया कि वह पुलिस में भर्ती होना चाहती है। शिंदे के साथ राज्य के मंत्री संजय शिरसाट और विधायक अर्जुन खोतकर भी मौजूद थे। खोतकर ने बताया कि खाने में बाजरे की भाकरी, पिठला, ठेचा, शंकरपाली और रवा के लड्डू शामिल थे। किसान परिवार ने शिंदे को क्या भेंट ...शेष 7 पर

# RSS पर प्रतिबंध की कोशिश के दौरान इब्राहिम ने किया था संघ का बचाव, मोहन भागवत ने सुनाया 1930 के दशक का किस्सा

मोहन भागवत सोमवार को नागपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति का जिक्र किया। इब्राहिम ने डॉ. हेडगेवार को बताया था अच्छा इंसान संघ की 100 साल की यात्रा में स्वयंसेवक ही बने सबसे बड़ी पहचान RSS पर प्रतिबंध की कोशिश के दौरान विधानसभा में इब्राहिम ने किया था संघ का बचाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक की एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि जब तत्कालीन सेंट्रल प्रोविंस असेंबली में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी, तब उसके समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। उस समय इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने विधानसभा में संघ का बचाव करते हुए उसे सांप्रदायिक संगठन मानने से इनकार किया था। मोहन भागवत सोमवार को नागपुर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संघ के शुरुआती दिनों का एक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि उस समय RSS को बहुत कम लोग जानते थे। हालांकि, संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को लोग अच्छी तरह पहचानते थे। इब्राहिम ने दिया था संघ के समर्थन में तर्क भागवत के मुताबिक, जब सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर पहला प्रतिबंध लगाने का प्रयास



हुआ, तब इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने इसका विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि RSS को बंद नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने इब्राहिम के बयान का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने कहा था कि जो लोग भारत को हिंदू राष्ट्र बताते हैं, उन्हें पागलखाने भेज देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने डॉ. हेडगेवार को व्यक्तिगत रूप से जानने की बात कही और उन्हें एक अच्छा इंसान बताया था। इब्राहिम का तर्क था कि जब डॉ. हेडगेवार अच्छे व्यक्ति हैं, तो उनके संगठन को सांप्रदायिक नहीं कहा जा सकता। स्वयंसेवक ही बने संघ की पहचान RSS प्रमुख ने कहा कि जब संघ की स्थापना हुई थी, तब उसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी थी। उस समय डॉ. हेडगेवार की पहचान अधिक थी, लेकिन धीरे-धीरे स्वयंसेवक ही संघ की पहचान बन गए। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना के 100 साल बाद भी स्वयंसेवक ही संगठन की सबसे बड़ी पहचान हैं। उनके समर्पण और कार्यों से ही संघ की पहचान समाज में बनी हुई है। प्रचारकों के जीवन पर लिखी जा रही किताब कार्यक्रम में भागवत ने प्रचारकों के जीवन पर लिखी जा रही एक पुस्तक का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रचारकों के जीवन और उनके योगदान को दर्ज करने का उद्देश्य किसी तरह का भौतिक लाभ हासिल करना नहीं है, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता और स्नेह व्यक्त करना है।

## मणिपुर में जनगणना पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक, अप्रैल 2027 तक बढ़ाई मियाद, सामने आई बड़ी वजह

मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य में हिंसा जनगणना प्रक्रिया को 30 अप्रैल 2027 तक रोकने का आदेश दिया है। जानिए केंद्र सरकार और रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश मिले।

मणिपुर हाई कोर्ट ने जनगणना की प्रक्रिया को 30 अप्रैल 2027 तक रोक दिया। जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने से पहले NRC को अपडेट किया जाए। राहुल गांधी 26 तारीख को मणिपुर के एक दिवसीय दौरे की तैयारी कर रहे हैं। मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य में जनगणना 2027 की प्रक्रिया को 30 अप्रैल 2027 तक रोक दिया है। केंद्र सरकार उन आपत्तियों पर विचार कर रही है, जिनमें मौजूदा संघर्ष और लोगों के विस्थापन के बीच जनगणना कराने को लेकर चिंताएं जताई गई हैं। अदालत



ने केंद्र सरकार, रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे इन आपत्तियों पर विचार करें और 30 अप्रैल तक आदेश जारी करें। तब तक जनगणना की प्रक्रिया रुकी रहेगी। याचिकाकर्ताओं ने जताई चिंता मणिपुर हाई कोर्ट ने विभिन्न संगठनों के ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए यह निर्देश जारी किए है। इनमें नॉर्थ-ईस्ट में जारी संघर्ष और अवैध प्रवासन के कारण डेमोग्राफी में हुए बदलाव का मुद्दा उठाया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि हिंसा के कारण राज्य से कई लोग अपने घरों को छोड़कर जा चुके है। कई लोगों के घर नष्ट हो गए है। इसलिए खास तौर पर पहाड़ी इलातों में फिर जनगणना करने की मांग की। याचिकाकर्ताओं ने दिया तर्क याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि हिंसा के कारण कई लोगों ने मणिपुर छोड़ दिया है। सड़कों के बंद होने के कारण इन इलाकों में जनसंख्या का सही आकलन नहीं हो पा रहा है। साथ ही याचिकाकर्ताओं ने परिसीमन को लेकर भी चिंता जताई है। उन्होंने परिसीमन की प्रक्रिया कराए जाने की भी मांग की। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, सांप्रदायिक हिंसा के बाद मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में अवैध बस्तियां बसाई जा रही हैं। ज्ञापन में राज्य में कथित बांग्लादेशी घुसपैठियों के आने का भी जिक्र है। ऐसे लोग जिन्होंने स्थानीय महिलाओं से शादी कर ली है। उन्होंने मांग की है कि जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने से पहले 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स' (NRC) को अपडेट किया जाए।

## इस हफ्ते पूरे 6 दिन बैंक रहेंगे बंद, यहां देखें आज बैंक खुला है या नहीं




इस हफ्ते यानी 9 नवंबर से 15 नवंबर तक बैंक में 6 दिन छुट्टी रहने वाली है। ऐसे में बैंक जाने से पहले थोड़ा ठहरकर इस खबर को पढ़ लें। इस हफ्ते पूरे 6 दिन बैंक बंद रहेंगे आज 9 नवंबर को भी सभी बैंक बंद हैं 9, 10, 11, 13, 14 और 15 नवंबर को बैंक बंद रहेंगे भारतीय बैंकों में इस हफ्ते पूरे 6 दिन बंपर छुट्टी है। त्योहारों के मद्देनजर सरकारी कर्मचारियों को ये छुट्टी दी गई है। ऐसे में SBI, HDFC और ICICI की बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। लेकिन अगर आप डिजिटल और ऑनलाइन सर्विसेज यूज करेंगे तो खुशी की बात है कि ये आपके लिए चालू रहेगी। आज 9 नवंबर को भी बैंक रहेंगे बंद आज भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और HDFC बैंक सहित सभी सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के बैंक आज भी बंद हैं। RBI के नियमों की बात करें तो सभी अनुसूचित और गैर-अनुसूचित बैंक तय छुट्टियों के अलावा महीने के दूसरे और चौथे शनिवार व हर रविवार को बैंक हॉलीडे रहता है।

## दक्षिण भारत के इन राज्यों में बारिश और तूफान की चेतावनी, दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम?



IMD ने 9 नवंबर को तमिलनाडु और अंडमान-निकोबार में भारी बारिश की चेतावनी दी है। दिल्ली-NCR में सुबह मध्यम कोहरा रहेगा, जबकि उत्तर भारत में मौसम शुष्क रहेगा। दक्षिणी प्रायद्वीपीय और द्वीपीय क्षेत्रों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बिजली कड़कने के साथ तेज 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली-NCR में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कोहरा रहेगा। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार 9 नवंबर को, पूरे भारत में वायुमंडलीय स्थितियां निचले क्षोभमंडल में मौजूद कई चक्रवाती साइक्लोनिक सर्कुलेशन से प्रभावित हैं। ये सर्कुलेशन उत्तरी हरियाणा, उत्तर-पश्चिमी राजस्थान, दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश, उत्तर-पूर्वी बिहार और कोमोरिन क्षेत्र के ऊपर स्थित हैं। निचले क्षोभमंडल में एक 'ट्रफ' दक्षिणी छत्तीसगढ़ से लेकर उत्तर-पूर्वी बिहार के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण तक फैली हुई है, जबकि एक अन्य ट्रफ कोमोरिन क्षेत्र के सर्कुलेशन को पूर्वी-मध्य अरब सागर से जोड़ती है।

## जनवरी में 5 राज्यों में चुनाव संभव, नए साल के पहले हफ्ते में हो सकते हैं चुनाव

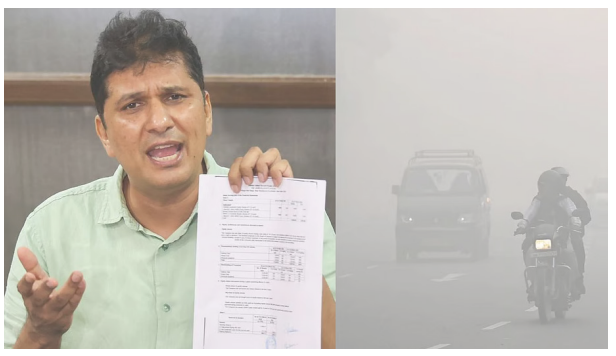
अनुमान है कि जनवरी के पहले हफ्ते में 5 राज्यों का विधानसभा चुनाव कराया जा सकता है। कहा जा रहा है कि मणिपुर, गोवा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। जनवरी के पहले हफ्ते विधानसभा चुनाव संभव 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं मणिपुर, गोवा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में हो सकते हैं चुनाव नए साल यानी जनवरी 2027 में भारत के 5 राज्यों में चुनाव होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि CBSE की बोर्ड परीक्षा की तारीखों के ऐलान के बाद चुनाव पहले कराने की चर्चा है। हालांकि, ये बात भी स्पष्ट है कि अभी तक चुनाव आयोग ने जनवरी



में चुनाव कराने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की है। अंदेशा लगाया जा रहा है कि मणिपुर, गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में जनवरी के पहले हफ्ते विधानसभा चुनाव होंगे। जनवरी में चुनाव कराने की संभावना क्यों बढ़ा ? दरअसल, CBSE की बोर्ड परीक्षा 16 फरवरी से शुरू होकर 9 अप्रैल 2027 तक चलेगी। ऐसे में इस दौरान चुनाव नहीं कराया जा सकता। रही बात मई की. तो मई से पहले ही मणिपुर, गोवा और पंजाब का विधानसभा कार्यकाल खत्म हो रहा है। 4 राज्यों के विधानसभा का कार्यकाल मार्च में ही पूरा हो रहा है। ऐसे में ये जरूरी हो जाता है कि इससे पहले चुनाव हो जाए। इन सब चीजों को मद्देनजर रखते हुए जनवरी के पहले हफ्ते में चुनाव कराने का फैसला लिया जा सकता है। जनवरी में चुनाव कराना एक बड़ी चुनौती क्यों दरअसल, जनवरी के पहले हफ्ते में इन 5 राज्यों यानी मणिपुर, गोवा, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य में जोरों की ठंड पड़ती है। घने कोहरे और ठंड में लोगों को सुबह-सुबह उठकर वोट डालने के लिए जागरूक करना मुश्किल भरा काम होगा। उधर, यूपी बोर्ड की परीक्षा 5 से 27 फरवरी के बीच प्रस्तावित है। ये भी बड़ी बात है कि ठंड और कोहरे के बीच चुनावी रैलियां निकालना, घर-घर जाना मुश्किल होगा।

# दिल्ली में AQI डेटा में हेरफेर, हेल्थ इमरजेंसी का बढ़ा खतरा, सौरभ भारद्वाज बोले- आंकड़े कम दिखा रही सरकार

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि सरकार AQI डेटा के साथ छेड़छाड़ कर रही है। जानिए इस मामले में भारद्वाज ने क्या-क्या सवाल उठाए। AQI डेटा केवल सरकारी रिकॉर्ड या प्रशासनिक रिपोर्टिंग का मामला नहीं है। खराब हवा के संपर्क में आने से हार्ट अटैक, अस्थमा के गंभीर दौरे जैसी समस्याएं हो सकती हैं। दिल्ली सरकार कथित तौर पर AQI के आंकड़ों में हेरफेर कर रही है। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच, आम आदमी पार्टी (AAP) ने दिल्ली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि सरकार एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) डेटा के साथ छेड़छाड़ कर रही है। AAP के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकार प्रदूषण के असली स्तर को कम बताकर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने इसे दिल्ली की जनता के साथ धोखा करार दिया है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर लगाए आरोप सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार कथित तौर पर AQI के आंकड़ों में हेरफेर कर रही है। प्रदूषण के स्तर को असल से कम दिखाना एक गंभीर मामला है, क्योंकि



इसका सीधा असर आम जनता की सेहत पर पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब रिपोर्ट किया गया प्रदूषण स्तर असल स्थिति से कम होगा, तो जनता खुद को सुरक्षित कैसे रख पाएगी? खराब हवा से हार्ट अटैक और अस्थमा का खतरा AAP प्रदेश अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि प्रदूषण के स्तर को कम करके बताने से स्वास्थ्य पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। लोग खतरे की गंभीरता को नहीं समझ पाएंगे, जिससे वे जरूरी सावधानियां बरतने में चूक कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खराब हवा के संपर्क में आने से हार्ट अटैक, अस्थमा के गंभीर दौरे और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कुछ मामलों में तो स्थिति जानलेवा भी हो सकती है, जैसे कि रेस्पिरेटरी फेलियर। AQI डेटा को लेकर उठाए सवाल सौरभ भारद्वाज के अनुसार, AQI डेटा केवल सरकारी रिकॉर्ड या प्रशासनिक रिपोर्टिंग का मामला नहीं है।

यह नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया है, जिससे वे अपनी सेहत और सुरक्षा को लेकर सही फैसले ले सकते हैं।

अगर लोगों को प्रदूषण की असल स्थिति के बारे में अंधेरे में रखा जाएगा, तो वे सही निर्णय कैसे ले पाएंगे। चाहे वह घर से बाहर निकलने की बात हो, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात हो, या फिर स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी सावधानियां बरतने की बात हो? AAP नेता ने दिल्ली सरकार पर साधा निशाना दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए भारद्वाज ने कहा कि प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या को सुलझाने के बजाय, डेटा को कम करके दिखाना जनता की मुश्किलों को और बढ़ाएगा।

## दिवाली की बधाई में ईद का जिक्र करना मल्लिकार्जुन खरगे को पड़ा भारी, बीजेपी-कांग्रेस में छिड़ी जुबानी जंग

मल्लिकार्जुन खरगे ने दिवाली को खुशियों की एक ईद बताया, जिसके बाद बीजेपी ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण और सनातन विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। खरगे ने दिवाली को खुशियों और आपसी मेल-मिलाप का त्योहार बताया। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने बयान पर आपत्ति जताई। भंडारी ने कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। अल्वी ने अपने बयान में एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी AQI का भी जिक्र किया। दिवाली के जश्न के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की शुभकामनाओं ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी। खरगे ने दीपावली को खुशियों से जुड़ा त्योहार बताते हुए इसकी तुलना ईद से कर दी। बस फिर क्या था, बीजेपी ने उनके इस बयान को लेकर कांग्रेस को निशाने पर ले लिया। पार्टी ने इसे तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया और सनातन धर्म के प्रति कांग्रेस की सोच पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, कांग्रेस



नेता राशिद अल्वी ने इस टिप्पणी को सामान्य बताते हुए बीजेपी के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने अपने बयान में वायु प्रदूषण का मुद्दा भी जोड़ दिया। त्योहार की तारीफ करते हुए क्या कह गए खरगे? देशवासियों को दीपावली त्योहार की शुभकामनाएं देते समय मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह पूरे भारत में मनाया जाने वाला बड़ा पर्व है। उन्होंने इसे लोगों के बीच खुशियां बांटने, परिवार और परिचितों से मिलने तथा शांति से रहने का अवसर बताया। इसी क्रम में उन्होंने दिवाली को 'खुशियों की एक ईद' कहा। खरगे का यह संबोधन सामने आने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो गया। उनके बयान को लेकर बीजेपी ने सवाल उठाए, जबकि कांग्रेस की ओर से इसे त्योहारों के बीच आपसी सद्भाव और खुशी का संदेश बताया गया। बीजेपी ने कांग्रेस पर लगाए आरोप बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने खरगे की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पार्टी ने दिवाली के मौके पर भी वोट बैंक को ध्यान में रखकर बयान दिया है। भंडारी ने इसे सनातन विरोधी राजनीति से जोड़ते हुए सोनिया गांधी और कांग्रेस से जुड़े पुराने विवादों का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी-वाड्रा परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति हिंदू विरोधी रही है। बीजेपी ने इस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस की विचारधारा पर सवाल खड़े किए हैं। खुशी के लिए ईद का उदाहरण दिया जाता है भारतीय जनता पार्टी के आरोपों के बीच राशिद अल्वी ने खरगे के बयान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हिंदी बोलचाल में भी खुशी और लंबे इंतजार के बाद मुलाकात के संदर्भ में 'ईद का चांद' जैसे मुहावरे इस्तेमाल किए जाते हैं। अल्वी ने इसे धर्मनिरपेक्ष सोच से जोड़ते हुए कहा कि दोनों त्योहार खुशियों का संदेश देते हैं। इसके बाद उन्होंने AQI का जिक्र करते हुए कहा कि दिवाली पर प्रदूषण का स्तर बढ़ता है, जबकि ईद के दौरान ऐसा नहीं होता। उनके इस बयान ने राजनीतिक बहस को एक नया मुद्दा दे दिया।

## दिवाली की रात देशभर में आग का कहर, दिल्ली से मुंबई तक फैक्ट्री, दुकान और इमारतें आग की चपेट में



दिवाली की रात दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं। पटाखों की चिंगारी से फैक्ट्री, दुकान, गोदाम और रिहायशी इमारतें प्रभावित हुईं। नजफगढ़ की फैक्ट्री में 25 दमकल गाड़ियां पहुंचीं। लखनऊ के छोटा देवी खेड़ा में कबाड़ गोदाम में आग लगी। नवी मुंबई के तुर्भे में सोफा बनाने वाली दुकान प्रभावित हुई। मुंबई के विद्याविहार, मुलुंड और कांदिवली में भी आग की घटनाएं हुईं। ठाणे के रहेजा गार्डन में तीन मंजिलें आग से प्रभावित हुईं। दिवाली पर देशभर में रोशनी और आतिशबाजी के बीच कई शहरों में आग लगने की घटनाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। पटाखों से निकली चिंगारी कहीं दुकानों तक पहुंची, तो कहीं फैक्ट्रियों, गोदामों और रिहायशी परिसरों में आग भड़क उठी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर दमकल विभाग को आग बुझाने के लिए दौड़ना पड़ा। कुछ घटनाओं में आग इतनी तेजी से फैली कि उसे नियंत्रित करने के लिए दमकल की कई गाड़ियां तैनात करनी पड़ीं।

## देश के कई राज्यों में आगजनी का तांडवः दिल्ली-गाजियाबाद से सिक्किम और पटना तक मचा हड़कंप



देश के कई हिस्सों में दिवाली के दौरान आगजनी की घटनाओं ने मचाई दहशत, दिल्ली, गाजियाबाद, पटना और सिक्किम में फैक्ट्री और गोदाम जलकर खाक। देश के अलग-अलग हिस्सों में आग लगने की घटनाओं ने लोगों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है। दिल्ली, गाजियाबाद, पटना और सिक्किम में फैक्ट्री, गोदाम, कबाड़ में आग लगने की खबरें सामने आई हैं। इन घटनाओं के पीछे कहीं शॉर्ट सर्किट तो कहीं पटाखों की चिंगारी को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में आग लगने की घटनाओं ने लोगों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है। दिल्ली, गाजियाबाद, पटना और सिक्किम में फैक्ट्री, गोदाम, कबाड़ की दुकान और पुराने अस्पताल परिसर में आग लगने की खबरें सामने आई हैं।

## हाथ में ही फट गया पटाखा... दिल्ली में 10 साल के बच्चे की मौत, दीवाली की खुशियों के बीच अचानक बदले हालात

दिल्ली के नरेला में पटाखा फटने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। वहीं, नरेला रबर फैक्ट्री और मुंबई में दिवाली के दौरान आग लगने की 25 से अधिक घटनाएं दर्ज की गई हैं। दिल्ली के नरेला में पटाखा फटने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मुंबई में दिवाली के दौरान आग लगने की 25 से अधिक घटनाएं दर्ज की गई। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक रबर फैक्ट्री में आग लग गई। दीवाली के दौरान पटाखों से जुड़े हादसों और आग लगने की घटनाओं ने दिल्ली से लेकर मुंबई तक चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय राजधानी के नरेला में पटाखे चलाते समय 10 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं, मुंबई में दीवाली के त्योहार के दौरान आग लगने की 25 से ज्यादा घटनाएं सामने आईं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, सोमवार,



9 नवंबर को नरेला में 10 साल का एक बच्चा पटाखे चला रहा था, तभी उसके हाथ में एक पटाखा फट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। कैसे फटा पटाखा? पुलिस ने बताया कि वे अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बच्चे के हाथ में कौन सा पटाखा फटा और किन हालात में यह धमाका हुआ। मामले की जांच चल रही है और पुलिस घटनाक्रम से जुड़ी जानकारी जुटा रही है। दिल्ली पुलिस का कहना है, "8 नवंबर को रात लगभग 9:45 बजे, नरेला इलाके में एक बच्चा अपने घर के सामने हाथ में पकड़कर एक पटाखा (अनार) जला रहा था। पटाखा फट गया, जिससे उसकी छाती पर चोट लग गई। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। रात लगभग 10:50 बजे अस्पताल से सूचना मिली कि बच्चे को मृत अवस्था में लाया गया था। उसकी मौत पटाखा फटने से लगी चोटों और जलने के कारण हुई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।" रबर फैक्ट्री में लगी आग इसके अलावा, रविवार शाम को नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक रबर फैक्ट्री में आग लग गई। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के अनुसार, रविवार रात लगभग 8:33 बजे इस घटना की सूचना मिली। आग बुझाने के लिए दमकल की सात गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। काफी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया, जिसके बाद वहां कूलिंग ऑपरेशन चलाया गया।

# सम्पादकीय

## राष्ट्रवादी विलय को लेकर भ्रम की स्थिति अभी खत्म नहीं हुई है..!

महाराष्ट्र की राजनीति इस समय उथल-पुथल भरी है। इससे राजनीतिक लाभ के बजाय नुकसान ही होगा। शरद पवार एक कूटनीतिक नेता हैं, लेकिन अब उनका नियंत्रण बहुत कम है। शरद पवार और अजीत पवार की दो राष्ट्रवादी पार्टियों के विलय को लेकर असमंजस जारी है और इस बात पर कोई सहमति नहीं बन पाई है कि इसका अंतिम समाधान निकलेगा या शरद पवार की एनसीपी का अजीत की पार्टी में विलय होगा या सत्ताधारी एनसीपी का शरद पवार की एनसीपी में विलय होगा। सिर्फ हवाई बातें ही चल रही हैं। अजीतदादा के निधन को दस महीने बीत चुके हैं और तब से ही विलय का विवाद चल रहा है। एनसीपी में शाह-कटशाह की राजनीति बड़े पैमाने पर चल रही है। हाल ही में, एनसीपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की, जिसमें सुनेत्रा और पार्थ पवार को शामिल नहीं किया गया, और उसी क्षण से विलय की चर्चा शुरू हो गई। शरद पवार इलाज के लिए ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हैं। सभी राजनीतिक दलों के नेता उनसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। उस समय, यह समझा जाता है कि अजीतदादा पवार समूह के प्रफुल पटेल ने शरद पवार से मुलाकात की और विलय पर चर्चा की। गौरतलब है कि अजीत पवार समूह के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने हंगामा करते हुए कहा है, 'अगर अजीतदादा आज जीवित होते, तो विलय फरवरी 2026 में ही हो गया होता।' इससे पहले तटकरे ने कहा था कि विलय को लेकर ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई थी। समग्र स्थिति को देखते हुए, ऐसा लगता है कि एनसीपी के नेता और विधायक बेचैन हैं। पार्थ पवार अजीतदादा के निधन का फायदा उठाकर पुराने नेताओं को दरकिनार करते हुए नए नेताओं की नियुक्ति कर रहे हैं। इसी वजह से अजीत पवार गुट के भीतर ही कलह शुरू हो गई है। चूंकि एनसीपी अजीत पवार गुट के सभी संसाधन पार्थ पवार के हाथ में हैं, इसलिए एनसीपी नेताओं में नाराजगी साफ झलक रही है। यही कारण है कि उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार को छोड़कर प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की। यहीं से विलय की असली चर्चा शुरू हुई। शरद पवार आज 86 वर्ष की आयु में सूखा राहत अभियान पर निकले थे। लेकिन खराब स्वास्थ्य के कारण उन्हें अपना दौरा स्थगित करना पड़ा और पहले पुणे के रूबी अस्पताल और बाद में ब्रिज कैंडी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। अब वहीं से विलय की हवाएं चलने लगी हैं। दोनों राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समितियों के विधायक और सांसद निधि की कमी से नाराज हैं। हालिया बैठक में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई। यदि विधायक राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति को एकजुट रखना चाहते हैं, तो वित्त मंत्रालय राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति के पास होना चाहिए। इसके लिए राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति के नेता पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। शुरुआत में राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति का प्रतिनिधिमंडल इसी उद्देश्य से अमित शाह से मिला था। फिलहाल वित्त मंत्रालय मुख्यमंत्री के पास है। राज्य के सामने इस समय सूखे की गंभीरता, राहत के लिए वित्तीय योजना और ऋण माफी तीन महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री वित्त मंत्रालय जारी करने में देरी कर रहे हैं। सरकार राज्य पर भारी कर्ज और सूखा प्रभावित किसानों की सहायता के लिए आवश्यक धनराशि के बोझ तले दबी हुई है। इसी पृष्ठभूमि में राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति वित्त मंत्रालय को वापस पाने का प्रयास कर रही है। एक ओर जहां यह स्थिति है, वहीं दूसरी ओर अजीत पवार की राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति के भीतर भी कलह व्याप्त है। विधान परिषद चुनावों में मिली हार ने राष्ट्रीय एवं बाल्यावस्था समिति के नेताओं को गहरा आघात पहुंचाया है। इसी पृष्ठभूमि में विलय की बातचीत एक बार फिर शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं शरद पवार के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना व्यक्त की है। मोदी के इस बयान पर सवाल उठ रहे हैं कि 'पवार साहब अब बूढ़े हो गए हैं, उनका स्वास्थ्य उनका साथ नहीं दे रहा है, इसलिए हम और सुप्रिया सुले मिलकर उनका कामकाज संभालेंगे।' एनसीपी के शरद पवार गुट की कमजोरी के बावजूद, उन्होंने विधान परिषद में दो सीटें जीतीं। इससे महागठबंधन में काफी बेचैनी फैल गई है। दोनों एनसीपी दलों को एक साथ लाकर एनडीए का समर्थन करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मोदी द्वारा शरद पवार को किए गए फोन कॉल और शिवसेना-भाजपा नेताओं द्वारा अस्पताल में पवार से मिलकर उनसे पूछताछ करने से कांग्रेस और उबाथा दलों में काफी तनाव पैदा हो गया है। यही कारण है कि संजय राउत और शरद पवार ने एनडीए में शामिल न होने की बात कहना शुरू कर दिया है। शरद पवार पहले ही स्पष्ट कर चुके थे कि वे एनडीए में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद पर्दे के पीछे काफी चर्चा हुई और उसी से एनडीए में शामिल होने का प्रस्ताव सामने आया है। परसों हुई विधायकों की बैठक में देखा गया कि शरद पवार गुट के विधायक और सांसद भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से एनडीए में शामिल होने के लिए उत्सुक थे। यहीं से विलय की वास्तविक चर्चा शुरू हुई। एनसीपी के दोनों गुटों पर पड़ रहे इस दबाव को देखते हुए दोनों ही घटनाओं से विलय होने के आसार दिखने लगे हैं। अब सवाल यह उठता है कि अगर विलय होता है तो कैसे होगा, क्या अजीत पवार गुट का शरद पवार गुट में विलय होगा या शरद पवार गुट का अजीत की पार्टी में विलय होगा। फिलहाल, सत्ताधारी एनसीपी के सभी वरिष्ठ नेता एकजुट हो गए हैं और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार को दरकिनार करने की राजनीति शुरू हो गई है। इसी वजह से अजीत पवार ने एनसीपी में एक बड़ा आंदोलन छेड़ दिया है। शरद पवार की असली रणनीति समझ में नहीं आ रही है। एक तरफ तो वे एनडीए में शामिल न होने की बात कह रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वरिष्ठ नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। इसी से विलय का प्रस्ताव सामने आया है। शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल के बीच हो रही बातचीत को अहम माना जा रहा है।

# भरोसे की मांग करता डिजिटल लेनदेन

भारत में तिजोरियों और बही-खातों में दर्ज होने वाले धन का आवागमन अब मोबाइल स्क्रीन पर होने लगा है। दीपावली से पहले आई खबर के मुताबिक अक्टूबर 2026 में देश में यूपीआइ (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये 2,547 करोड़ लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 31.53 लाख करोड़ रुपये रहा। पहली बार एक दिन में औसत लेनदेन का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि धन का प्रवाह अब अधिक तेज, सस्ता और पारदर्शी हो गया है, लेकिन भारतीय परंपरा में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। मान्यता है कि वे वहीं टिकती हैं, जहां व्यवस्था, शुचिता और भरोसा हो। भारत के डिजिटल कायाकल्प का सबक यह है कि सरकार ने इसकी सड़क बनाई और उस पर सबको चलने का अवसर दिया। जनधन खाते, आधार और मोबाइल यानी 'जैम' त्रिमूर्ति इसकी नींव बनी। अगस्त 2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए खातों की संख्या जुलाई 2026 तक 58.84 करोड़ से अधिक हो चुकी थी। इसी नींव पर यूपीआइ खड़ा हुआ। अगस्त 2016 में पहले महीने इसके जरिये केवल 90 हजार लेनदेन हुए थे। वित्त वर्ष 2025-26 में यह संख्या 24 हजार करोड़ के पार पहुंच गई और लेनदेन का कुल मूल्य लगभग 314 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, दुनिया में होने वाले रियल-टाइम डिजिटल भुगतानों में लगभग 49 प्रतिशत हिस्सा अकेले यूपीआइ का है, जबकि देश के कुल डिजिटल भुगतानों में इसकी हिस्सेदारी 84 प्रतिशत है। यूएई, फ्रांस और सिंगापुर समेत 11 देशों में अब यूपीआइ के जरिये भुगतान संभव है। डिजिलाकर और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) इसी ढांचे की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिसे दुनिया 'इंडिया स्टैक' के नाम से जानती है। डिजिटल भुगतान अब अमीरों का शौक नहीं, आम आदमी की आदत बन चुका है। वित्त वर्ष 2025-26 में दुकानदारों को किए गए यूपीआइ भुगतानों में 86 प्रतिशत लेनदेन 500 रुपये से कम के थे। चाय, सब्जी और आटो का किराया अब क्यूआर कोड से चुकाया जा रहा है। जिस ठेले वाले के पास पहले कोई लिखित हिसाब नहीं होता था, उसके पास अब कमाई का डिजिटल रिकार्ड है। छोटा व्यापारी अब अपने लेनदेन के इतिहास के आधार पर औपचारिक कर्ज पाने का दावा कर सकता है। देश में रोजाना औसतन 82 करोड़ से अधिक यूपीआइ लेनदेन हो रहे हैं, लेकिन उजाले के साथ साया भी बढ़ा है और सबसे गहरा साया साइबर ठगी का है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, वर्ष 2025 में ठगी की 21.77 लाख शिकायतें दर्ज हुईं और लोगों ने लगभग 19,813 करोड़ रुपये गंवाए। हालांकि वर्ष 2024 में हुए 22,849 करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में यह रकम घटी है। 2025 के कुल नुकसान का 77 प्रतिशत फर्जी निवेश योजनाओं और आठ प्रतिशत 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ा था। यानी समस्या तकनीक की कमजोरी से अधिक लालच, डर और जानकारी की कमी का फायदा उठाने की है। दूसरी चुनौती डिजिटल विभाजन की है। बुजुर्ग, कम पढ़े-लिखे लोग और कमजोर नेटवर्क वाले इलाकों के निवासी इस दौड़ में पीछे छूट सकते हैं। तीसरा प्रश्न डाटा की सुरक्षा और निजता का है। चौथा सवाल यूपीआइ के आर्थिक टिकाऊपन का है, क्योंकि मुफ्त सेवा उपलब्ध कराने में बैंकों और भुगतान कंपनियों को खर्च उठाना पड़ता है। इसी कारण एनपीसीआइ (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) ने दुकानों पर दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.40 प्रतिशत (अधिकतम 300 रुपये) शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे फिलहाल दीपावली के बाद तक टाल दिया गया है। संतुलन बिगड़ा तो व्यापारी फिर नकदी की ओर लौट सकते हैं। चुनौतियों का समाधान डिजिटल रफ्तार धीमी करने में नहीं, उसे सुरक्षित बनाने में है। इसके लिए चार मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, ठगी का पैसा रोकने की रफ्तार ठगों से तेज होनी चाहिए। हेल्पलाइन 1930 पर तत्काल शिकायत, बैंकों के बीच संदिग्ध खातों की साझा जानकारी और फर्जी सिम तथा 'म्यूल खातों' (आम लोगों के नाम पर खोले गए ऐसे खाते, जिनमें अपराधी ठगी का पैसा छिपाते हैं या आगे भेजते हैं) पर सख्त कार्रवाई इसकी कुंजी है। सीमा पार सक्रिय गिरोहों पर अंकुश लगाने के लिए कूटनीतिक सहयोग भी जरूरी है। दूसरा, डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाना होगा। 'कोई पुलिस अधिकारी वीडियो काल पर गिरफ्तारी नहीं करता' और 'पैसा पाने के लिए पिन नहीं डालना पड़ता' जैसे सरल संदेश जन-जन तक पहुंचाने होंगे। तीसरा, डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा, ताकि नागरिकों का डाटा उनकी अनुमति के बिना कारोबार का साधन न बन सके। चौथा, यूपीआइ का लागत माडल संवेदनशीलता के साथ तय करना होगा। छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, लेकिन सेवा देने वाली संस्थाओं को सुरक्षा और नवाचार में निवेश के लिए पर्याप्त आय भी मिलती रहे। दस साल पहले जिस यूपीआइ के जरिये एक महीने में केवल 90 हजार लेनदेन हुए थे, वह आज दुनिया की सबसे बड़ी रियल-टाइम भुगतान प्रणालियों में शामिल है।

# प्रकाश की आकांक्षा का अनूठा उत्सव

संध्या उतरती है। घरों की देहरियों पर दीप जलने लगते हैं। कहीं मिट्टी के छोटे दीयों में तेल की लौ कांपती है, कहीं रंगीन रोशनियां दीवारों पर अपना उत्सवी विस्तार रचती हैं। आकाश में आतिशबाजी के फूल खिलते हैं और कुछ क्षणों के लिए रात अपनी पहचान भूल जाती है। दीपावली का यह दृश्य हर वर्ष लौटता है, फिर भी उसकी प्रतीक्षा पुरानी नहीं पड़ती। शायद मनुष्य के भीतर प्रकाश की एक ऐसी आकांक्षा है, जिसे समय की कोई ऋतु समाप्त नहीं कर सकती। वह बाहर दीप जलाता है, लेकिन भीतर एक प्रश्न जागता रहता है- क्या जीवन में सचमुच कुछ उजाला हुआ? प्रकाश केवल अंधेरे का प्रतिपक्ष नहीं है। वह देखने की नई संभावना है। अंधेरे में वस्तुएं अपनी सीमाएं खो देती हैं, प्रकाश उन्हें पहचान लौटाता है। दीपावली का आत्मीय अर्थ तब खुलता है, जब मनुष्य बाहरी जगमगाहट से हटकर अपने भीतर देखता है। उत्सव की असली शुरुआत घर के बाहर नहीं, दृष्टि के भीतर होती है। दीपावली की तैयारी घर की साफ-सफाई से आरंभ होती है, लेकिन धूल केवल वस्तुओं पर नहीं जमती। समय की परतें मन पर भी उतरती हैं। प्रकाश पर्व पर घर सजाना अपने संसार को फिर से रचने जैसा है। कोई दरवाजे पर तोरण बांधता है, कोई चौखट पर रंगोली बनाता है, कोई मिट्टी के दीपों को अपने हाथों से रंगता है। फूलों की पंखुड़ियां आंगन में बिखरती हैं, तो लगता है जैसे प्रकृति ने घर के लिए छोटा सा पत्र भेजा हो। रंगोली मिट जाती है, फूल मुरझा जाते हैं, दीप बुझ जाते हैं, फिर भी उनसे उपजी छटा का आनंद मन में बचा रहता है। सौंदर्य का एक रहस्य उसकी क्षणभंगुरता में छिपा है। जो सदा नहीं रहता, वही कभी-कभी सबसे अधिक याद रह जाता है। एक छोटा-सा मिट्टी का दीया प्रकृति, श्रम और ऊर्जा का संसार समेटे रहता है। दीपक अंधेरे को पराजित करने की घोषणा नहीं करता। वह बस अपने हिस्से का प्रकाश देता है। शायद मनुष्य के लिए इससे बड़ी शिक्षा कोई नहीं कि अपनी छोटी-सी सामर्थ्य को व्यर्थ न जाने दे। दीपावली के साथ बाजार का विस्तार होता है। दुकानों की सजावट, नए वस्त्र, मिठाइयां और उपहार उत्सव को दृश्य वैभव देते हैं। बाजार इच्छाओं को पहचानता है और उन्हें नई वस्तुओं में बदलने की कला जानता है। वह बताता है कि किससे घर सुंदर होगा और कौन-सा उपहार संबंधों में मिठास बढ़ाएगा, पर वस्तु की चमक और जीवन की चमक एक नहीं होती। कोई महंगी वस्तु किसी संबंध की रिक्तता नहीं भर सकती, लेकिन दीपावली पर उपहार देने की परंपरा संबंधों की सुंदर भाषा है। कभी एक पुस्तक, घर में बनी मिठाई या हाथ से लिखा संदेश किसी बड़े उपहार से अधिक आत्मीय हो जाता है। उपहार यह कहने का विनम्र तरीका है कि दूसरा व्यक्ति हमारी स्मृति में उपस्थित है। समय ने परिवारों के रहने और मिलने के ढंग बदल दिए हैं। कई पीढ़ियां अब अलग-अलग नगरों और देशों में बसी हैं। डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को छोटा किया है। मोबाइल की स्क्रीन पर चेहरे दिखाई देते हैं, शुभकामनाएं आती हैं, तस्वीरें साझा होती हैं। तकनीक ने संपर्क सहज बनाया है, लेकिन निकटता का अर्थ केवल एक-दूसरे को देख लेना नहीं है। किसी के पास बैठना, उसकी चुप्पी सुनना और साथ समय बिताना मनुष्य की ऐसी जरूरतें हैं, जिन्हें कोई उपकरण पूरा नहीं कर सकता। स्क्रीन चेहरा दिखा सकती है, उपस्थिति की ऊष्मा नहीं। उत्सव का सामाजिक अर्थ उन घरों की ओर देखने से खुलता है, जहां दीपावली की तैयारी सहज नहीं है। कहीं आर्थिक कठिनाई, कहीं बीमारी या अकेलापन है। किसी दूसरे के अंधेरे से अनजान रहकर अपनी रोशनी पर गर्व करना प्रकाश का कमजोर अर्थ है। किसी घर तक एक दीप पहुंचा देना कभी-कभी हजारों दीप जलाने से अधिक अर्थवान हो जाता है। प्रकृति के साथ हमारा संबंध दीपावली के अर्थ को नया विस्तार देता है। धुएं से भरी हवा और प्रदूषित परिवेश के बीच यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि उत्सव का आनंद प्रकृति की कीमत पर क्यों हो? परंपरा जीवन के साथ चलती है और समय से संवाद करती है। मिट्टी के दीपों को अपनाना, स्थानीय कारीगरों से वस्तुएं खरीदना तथा अनावश्यक शोर और धुएं से बचना उत्सव की आभा को अधिक संवेदनशील बनाना है। जिस धरती पर मनुष्य अपने उत्सव रचता है, उसकी सांसों का ध्यान रखना भी उत्सव की संस्कृति का हिस्सा है। दीपावली किसी के लिए घर लौटने की खुशी है, किसी के लिए बचपन की स्मृति, किसी के लिए धार्मिक आस्था और किसी के लिए नए आरंभ का संकेत। इन अलग-अलग अनुभूतियों के बीच एक साझा आकांक्षा हैः जीवन में कुछ प्रकाशमय हो, संबंधों में सहजता लौटे और भविष्य के प्रति विश्वास बना रहे।

उत्सव की सुंदरता उसकी इसी बहुलता में है। एक ही दीप की लौ अलग-अलग आंखों में अलग अर्थ लेकर उतरती है। क्या दीवाली पर हमने किसी पुराने संबंध को फिर से छुआ? किसी के श्रम को पहचाना? किसी अकेले व्यक्ति के लिए समय निकाला? दीपावली का स्थाई अर्थ शायद इसी बची हुई रोशनी में है। दीपक का प्रकाश सीमित होता है, लेकिन उससे जन्मी दृष्टि असीम हो सकती है। प्रकाश का सबसे सुंदर रूप वह नहीं, जो आंखों को चकाचौंध कर दे, बल्कि वह है जिसमें मनुष्य दूसरे मनुष्य को देख-समझ सके। रोशनी के बीच मनुष्य की तलाश शायद इसी देखने की कला का नाम है।

# Priyanka Chopra की दिवाली पार्टी फोटोज ने मचाया बवाल, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने खड़े किए सवाल



प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस के साथ लॉस एंजिल्स में दिवाली मनाई। सेलिब्रेशन की तस्वीरों में नॉनवेज फूड नजर आने के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। दिवाली पर नॉनवेज खाने को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका चोपड़ा निक और बेटी मालती संग लॉस एंजिल्स में मनाई दिवाली पटाखों पर पुराने बयान को लेकर भी यूजर्स ने साधा निशाना मि दिवाली के दिन मांसा खाने को लेकर उठाया सवाल उन्होंने अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ लॉस एंजेलिस स्थित अपने घर पर दीपावली मनाई थी और पारंपरिक लिबास में तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। शेयर की गई तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा के हाथ में फ्राइड प्राउन (झींगा) जैसा नॉन-वेज फूड दिखाई दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने दिवाली के दिन मांसाहार खाने को लेकर उनकी आलोचना की। पुराने बयानों को दिलाया याद कई यूजर्स ने उनके पुराने बयानों को याद दिलाया, जिसमें उन्होंने दिवाली पर पटाखे न चलाने की अपील की थी। कुछ लोगों ने तंज कसा कि अस्थमा का नियम सिर्फ दिवाली पर ही क्यों याद आता है। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि दीपावली में नॉनवेज। स वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस ने सात समंदर पार लॉस एंजिल्स में धूमधाम से दिवाली सेलिब्रेट की। प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर इस सेलिब्रेशन से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी साझा की। प्रियंका चोपड़ा के द्वारा दिवाली पार्टी की फोटोज को देखकर सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स भड़क गए हैं। क्योंकि एक्ट्रेस के द्वारा शेयर की गई इन फोटोज में प्रियंका चोपड़ा को नॉन वेज खाते हुए देखा गया है। जिसे देखने के बाद यूजर्स ने सोशल मीडिया पर त्योहार के दिन मांस खाने को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारतीय परंपराओं को जीवित रखने की बात एक और यूजर ने लिखा कि दीपावली पर कोई नॉनवेज कैसे खा सकता है और कैंडल क्यों, दीये क्यों नहीं। प्रियंका अक्सर विदेश में रहते हुए भी अपनी भारतीय परंपराओं को जीवित रखने की बात कही है। उन्होंने निक और मालती के साथ अपनी फैमिली लाइफ में भारतीय रीति-रिवाजों और त्योहारों को हमेशा जगह दी है। जल्द भारतीय सिनेमा में करेगी वापसी प्रियंका चोपड़ा जल्द ही निर्देशक एस.एस. राजामौली की आगामी मेगा-बजट फिल्म वाराणसी के जरिए भारतीय सिनेमा वापसी कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा इसमें मंदाकिनी का किरदार निभाती नजर आएंगी और इस फिल्म में एक्शन, टाइम ट्रैवल तथा एक शानदार डांस नंबर देखने को मिलेगा। फिल्म में अभिनेत्री के अलावा महेश बाबू (रुद्र के रूप में), प्रियंका चोपड़ा (मंदाकिनी के रूप में) और पृथ्वीराज सुकुमारन (खलनायक कुंभ के रूप में) में अहम भूमिका में नजर आएंगे।

# Diwali पर समय रैना के घर सजी कॉमेडियनंस की महफिल, मेधा शंकर की मौजूदगी ने बढ़ायी अफेयर की चर्चा



समय रैना ने मुंबई स्थित अपने घर पर दिवाली पार्टी होस्ट की। इस दौरान मेधा शंकर भी नजर आईं। दोनों की तस्वीरों के बाद एक बार फिर उनके डेटिंग रूमर्स चर्चा में हैं। समय रैना और मेधा शंकर की डेटिंग की अटकलें तेज दिवाली पार्टी में समय की मां संग दिखीं मेधा जून 2026 से शुरू हुई अफेयर की चर्चाएं, अब तक पुष्टि नहीं स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना जो अक्सर विवादों को लेकर चर्चाओं में रहते हैं, वो आज अपनी पर्सनल लाइफ के चलते सुर्खियों में है। हाल ही में समय रैना ने अपने घर पर सभी कॉमेडियंस दोस्तों और करीबियों के लिए दिवाली पार्टी का आयोजन किया था। समय रैना ने अपनी दिवाली पार्टी की कुछ खास फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज की सबसे खास बात ये है कि इन फोटोज में समय के साथ फिल्म 12th फेल की एक्ट्रेस मेधा शंकर को भी स्पॉट किया गया है। जिसके बाद से समय रैना और मेधा शंकर की डेटिंग की अटकलें शुरू हो गई है।

# प्रणाम सर्विस की लापरवाही पर भड़के फेमस सिंगर अदनान सामी, मुंबई एयरपोर्ट के स्टाफ पर लगाए गंभीर आरोप



फेमस सिंगर अदनान सामी ने मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 की प्रणाम सर्विस पर गंभीर लापरवाही और बदसलूकी के आरोप लगाए। अदनान सामी ने प्रणाम सर्विस पर लापरवाही के आरोप लगाए। सिंगर के अनुसार एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्हें रिसीव करने के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। सिंगर ने फ्लाइट में 5 घंटे की देरी की जानकारी देर से मिलने पर सवाल उठाए। अपनी सुरीली आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले फेमस सिंगर अदनान सामी इन दिनों एक अलग ही वजह से चर्चाएं में आ गए हैं। इस बार उनका गुस्सा किसी गाने या फिल्म को लेकर नहीं, बल्कि मुंबई एयरपोर्ट की लचर व्यवस्था और वहां मिलने वाली प्रीमियम सेवाओं पर फूटा है। सिंगर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लंबी पोस्ट लिखकर मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर दी जाने वाली प्रणाम सर्विस के वर्क पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका यह एक्सपीरियंस साबित करता है कि आम यात्रियों के साथ-साथ कई बार बड़ी स्टार को भी किस तरह की असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। एयरपोर्ट पर नहीं मिली ढ़ंग से सर्विस दरअसल पूरा मामला तब सामने आया जब अदनान सामी अपनी टीम के साथ यात्रा करने के लिए मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि वे इस प्रीमियम सेवा का इस्तेमाल इसके शुरुआती दिनों से करते आ रहे हैं, लेकिन इस बार उनका अनुभव बेहद बुरा रहा। तय समय पर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद भी उन्हें रिसीव करने के लिए वहां कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। जबकि उनकी जर्नी और आने के समय की सारी जानकारी पहले ही संबंधित विभाग को दी जा चुकी थी। इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना शुरुआत ने ही इस पूरी यात्रा के अनुभव को पूरी तरह से बिगाड़ दिया और उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मुंबई एयरपोर्ट के स्टाफ पर लगाया आरोप एयर इंडिया की फ्लाइट के 5 घंटे लेट होने की वजह से स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई। हैरान करने वाली बात यह थी कि प्रणाम सर्विस के कर्मचारियों को इस देरी के बारे में पहले से ही पूरी जानकारी थी। इसके बाद भी उन्होंने यह बात सिंगर और उनकी टीम को तब बताई जब वे सुरक्षा जांच की औपचारिकता पूरी कर चुके थे। यदि उन्हें टाइम पर इस बात की भनक लग जाती, तो वे घर पर ही आराम से रुक सकते थे और इस तरह मुंबई एयरपोर्ट के कोने में लंबा इंतजार करने से बच जाते। इसी बात को लेकर यात्रियों के प्रति एयरपोर्ट स्टाफ की लापरवाही को पूरी तरह से उजागर कर दिया। कर्मचारियों पर लगा लापरवाही का आरोप स्थिति तब और बदतर हो गई जब उनके साथ तैनात महिला कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय लगातार मोबाइल फोन में बिजी नजर आई।

# ACL सर्जरी के बाद ट्रैक पर गिरीं, फिर यूथ ओलंपिक में रचा इतिहास; 17 साल की शौर्या ने जीता कांस्य पदक




घुटने की गंभीर चोट (ACL) और सर्जरी के दर्द से उबरकर धाविका शौर्या अंबुरे ने डकार यूथ ओलंपिक 2026 में 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। 17 वर्षीय शौर्या अंबुरे ने यूथ ओलंपिक 2026 (डकार, सेनेगल) की 100 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता। उन्होंने 13.59 सेकंड का समय निकालकर अपना पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड बनाया। इस पूरी प्रतियोगिता के ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में वह भारत की एकमात्र खिलाड़ी थीं। कहा जाता है कि जब हौसले बुलंद हों तो किस्मत भी रास्ता बदल देती है। कुछ इसी तरह का वाक्या सामने आया है। सेनेगल की राजधानी डकार में आयोजित यूथ ओलंपिक 2026 में महाराष्ट्र की 17 साल की धाविका शौर्या अंबुरे ने इतिहास रच दिया है।

# रोहित शर्मा रचने जा रहे हैं ऐसा महा-इतिहास, जो आज तक कोई नहीं कर पाया; बनने वाले हैं दुनिया के इकलौते बल्लेबाज




रोहित शर्मा वनडे इतिहास में 400 छक्के और इंटरनेशनल क्रिकेट में 700 छक्के पूरे करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के बेहद करीब हैं। जानें आगामी मैचों में वह कैसे रचेंगे नया इतिहास। रोहित शर्मा वनडे इतिहास के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने तीन डबल सेंचुरी लगाई हैं। वह इंटरनेशनल और वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी हैं और एक नए विश्व रिकॉर्ड के बेहद करीब हैं। आने वाले कुछ मैच रोहित शर्मा के क्रिकेट करियर में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ सकते हैं। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे इतिहास के सबसे महान प्लेयर्स में आता है। वो वनडे में तीन डबल सेंचुरी लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। लेकिन अब रोहित छक्कों का भी एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने के बेहद नजदीक पहुंच गए हैं। दरअसल, रोहित इस समय वनडे और इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं, मगर आने वाले कुछ मैच उनके करियर में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ सकते हैं। 17 छक्के लगाते ही वनडे में बनेगा एक नया विश्व रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम इस समय वनडे क्रिकेट में 383 छक्के दर्ज हैं। रोहित अगर आगामी मैचों में सिर्फ 17 छक्के लगा देते हैं, तो वो वनडे इतिहास में 400 छक्कों का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित के इस वनडे रिकॉर्ड को भविष्य में तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि आज के समय पर टीमें ज्यादा से ज्यादा टी20 मैच खेल रही हैं। ऐसे में वनडे फॉर्मेट में 400 के आंकड़े तक पहुंचना किसी के लिए भी बहुत मुश्किल होगा। 24 छक्के लगाते ही छू लेंगे 700 का जादुई आंकड़ा हिटमैन रोहित शर्मा ने पहले ही टेस्ट क्रिकेट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वो अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हुए ही नजर आते हैं। ऐसे में अगर वो आने वाले मैचों में 24 छक्के जड़ देते हैं, तो वो इंटरनेशनल क्रिकेट (सभी फॉर्मेट मिलाकर) में 700 छक्के पूरे कर लेंगे।

# जेनसन हुआंग का चीनी महिला जासूस से अफेयर, पोल खुलते ही होने लगा एक्शन

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने कथित चीनी जासूस एलिस हुआंग संग अफेयर की बात कबूली है। बोर्ड की स्वतंत्र जांच और शेयरों में भारी गिरावट से हड़कंप मचा है। जेनसन हुआंग ने कबूला निजी अफेयर का मामला। चीनी महिला एलिस पर जासूसी आरोप लगने के बाद हड़कंप। एनवीडिया बोर्ड की स्वतंत्र जांच से बढ़ी एक्शन की उम्मीद। अमेरिकी संसद में उठी जांच मांग के बाद क्या हो सकता है फैसला। पांच दिन से लगातार गिर रहे हैं शेयर, अब तक दस फीसदी गिरा। दु कर्मचारियों को भावुक ईमेल लिखकर मांगी माफी विवाद बढ़ने के बाद जेनसन हुआंग ने एनवीडिया के तमाम कर्मचारियों को एक आधिकारिक ईमेल भेजकर अपनी गलती स्वीकार की। उन्होंने अपने संदेश में लिखा कि उन्होंने अपनी पत्नी को धोखा दिया है और इस कृत्य से उनके परिवार और बच्चों को गहरा आघात पहुंचा है। हुआंग ने लिखा कि वे इसके लिए बेहद शर्मिंदा हैं और बिना कोई बहाना बनाए माफी मांगते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वे कंपनी, बोर्ड और शेयरधारकों की जिम्मेदारी निभाने में भले कमतर रहे हों, लेकिन वे कंपनी और अमेरिका की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह वफादार हैं। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बैठाई स्वतंत्र जांच इन गंभीर आरोपों के सामने आते ही एनवीडिया के बोर्ड ऑफ



डायरेक्टर्स ने तुरंत एक स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। कंपनी के स्वतंत्र निदेशक इस बात की बारीकी से जांच कर रहे हैं कि क्या इस निजी रिश्ते के दौरान एनवीडिया की कोई गोपनीय तकनीकी जानकारी, पेटेंट या ट्रेड सीक्रेट बाहर लीक हुए हैं। जांच का मुख्य केंद्र यह पता लगाना है कि कहीं इस रिश्ते की वजह से कंपनी के चिप्स या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े शोध को किसी बाहरी पक्ष तक पहुंचाने में नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ। निया की दूसरी सबसे बड़ी टेक कंपनी एनवीडिया के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) जेनसन हुआंग इस समय एक बड़े अंतरराष्ट्रीय विवाद में घिर गए हैं। 63 वर्षीय जेनसन हुआंग ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि उनका एक विदेशी महिला के साथ संबंध रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया है कि जिस महिला के साथ उनके रिश्ते थे, उस पर चीनी जासूस होने का गंभीर संदेह है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद वैश्विक तकनीकी जगत, शेयर बाजार और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक गलियारों में भारी हलचल मच गई है। एलिस हुआंग और चिप खरीद से जुड़ा है पूरा मामला 'द न्यू यॉर्क टाइम्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेनसन हुआंग के संबंध एलिस हुआंग नाम की महिला के साथ रहे हैं। एलिस हुआंग को हुआंग ले (Huang Le) के नाम से भी जाना जाता है और वह सिंगापुर व चीन में बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में सक्रिय रही हैं। वह सिंगापुर स्थित टेक कंपनी 'मेगास्पीड इंटरनेशनल' में वरिष्ठ पद पर कार्यरत रही हैं, जो एनवीडिया से एडवांस्ड चिप्स की खरीद से जुड़ी रही है।

डेटाबेस के अनुसार, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत चीनी सरकारी टीवी चैनलों में बतौर पत्रकार की थी और बाद में बैंकिंग सेक्टर से होते हुए टेक इंडस्ट्री में आईं।

## पोलैंड के क्राकोव में गोलीबारी से 6 की मौत, राष्ट्रीय शोक घोषित, हमलावर के घर से मिले माता-पिता और बहन के शव



पोलैंड के क्राकोव में वाहन से लोगों को टक्कर मारने के बाद गोलीबारी में 6 लोगों की मौत और 15 घायल हुए। हमलावर के घर से भी तीन शव मिले। पोलैंड में प्रमुख पर्यटन स्थल मेन स्क्वायर में गोलीबारी की घटना में 6 की मौत हुई। ओखोविएक स्विएंतोक्रिस्की शहर में हमलावर के घर से तीन शव भी मिले। घायलों में ब्रिटेन, पुर्तगाल, रूस, जर्मनी और ऑस्ट्रिया के पांच विदेशी नागरिक हैं। पोलैंड में दक्षिणपंथी विचारधारा से प्रभावित 24 वर्षीय एक व्यक्ति ने क्राकोव के व्यस्त इलाके में वाहन से लोगों को टक्कर मारने के बाद गोलीबारी की, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में हमलावर को गोली मारी, जिसमें वह घायल हो गया। इस घटना के बाद पोलैंड में रविवार से दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। पोलैंड के रक्षा मंत्री ने इस हमले को 'आतंकवादी कृत्य' बताया है। प्रमुख पर्यटन स्थल मेन स्क्वायर में फायरिंग यह घटना शनिवार को देश के दूसरे सबसे बड़े शहर क्राकोव के पुराने शहर के केंद्र में स्थित मेन स्क्वायर में हुई, जो एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। रविवार सुबह तक मृतकों की याद में चौक पर मोमबत्तियां जलाई गई थीं। अधिकारियों की जांच जारी रहने के कारण चौक का कुछ हिस्सा बंद रहा। अधिकारियों को क्राकोव से करीब 150 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित ओखोविएक स्विएंतोक्रिस्की शहर में हमलावर के घर से तीन शव भी मिले। पुलिस ने रविवार को बताया कि ये शव हमलावर की बहन, मां और पिता के हैं। पुलिस के मुताबिक, परिवार के सदस्यों की मौत संभवतः गोली लगने से हुई। दोनों पुलिसकर्मी अस्पताल में भर्ती मेन स्क्वायर में हुई गोलीबारी में चार महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हुई।

## पाकिस्तान में दिवाली पर हिंदुओं की तारीफ, जानें PM शहबाज शरीफ ने जिन्ना का जिक्र क्यों किया?

दिवाली पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने हिंदू समुदाय की तारीफ की। उन्होंने देश के विकास में योगदान सराहा और धार्मिक स्वतंत्रता व समान अधिकारों की प्रतिबद्धता दोहराई। दिवाली पर शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान के हिंदू समुदाय को बताया राष्ट्रीय ताने-बाने का अहम हिस्सा। पाकिस्तान के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में हिंदुओं के योगदान की सराहना की। जबरन धर्म परिवर्तन और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर उठते सवालों के बीच दिया संदेश। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को दिवाली के मौके पर देश के हिंदू समुदाय की जमकर तारीफ की। उन्होंने पाकिस्तान के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में हिंदू समुदाय के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उसकी सराहना की। साथ ही उन्होंने सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता, समान अधिकार और सम्मान देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। शहबाज



शरीफ ने अपने कार्यालय की ओर से जारी संदेश में कहा, "पाकिस्तान का हिंदू समुदाय हमारे राष्ट्रीय ताने-बाने का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न हिस्सा है। देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में उसका अमूल्य योगदान सर्वोच्च प्रशंसा का हकदार है।" उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता पर गर्व है। उनकी सरकार धर्म, आस्था, रंग या जातीय पहचान की परवाह किए बिना सभी नागरिकों के अधिकारों, सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर उठते रहे हैं सवाल शहबाज शरीफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के साथ भेदभाव और असमान व्यवहार को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हिंदू अधिकार संगठनों ने खासतौर पर लड़कियों और युवतियों के कथित जबरन धर्म परिवर्तन और विवाह के मामलों पर चिंता जताई है।

## होराइजन यूरोप से जुड़ने का रास्ता साफ! भारत-EU ने बातचीत पूरी की, रिसर्चर के लिए नई उम्मीदें



भारत ने होराइजन यूरोप में जुड़ने के लिए बातचीत पूरी कर ली है। इससे शोधकर्ताओं और इनोवेटर्स के लिए एक-दूसरे के साथ और अधिक निकटता से काम करने, नई तकनीकें विकसित करने के नए अवसर खुलेंगे।

भारत ने होराइजन यूरोप से जुड़ने के लिए बातचीत पूरी की अनुसंधान के क्षेत्र में भारत नहीं ऊंचाई छूने के लिए तैयार 15 जुलाई की बैठक के बाद बातचीत की प्रक्रिया शुरू हुई भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने होराइजन यूरोप से भारत के जुड़ने के लिए बातचीत सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। 'होरिजोन यूरोप', यूरोपीय संघ का प्रमुख अनुसंधान और नवाचार कार्यक्रम है।

## मिस्र रेल हादसा: दो ट्रेनों की भीषण टक्कर में 7 की मौत, 100 से ज्यादा लोग घायल; डराने वाली तस्वीरें आईं सामने

काहिरा के दक्षिण में हुए भयानक रेल हादसे की तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। फयूम जा रही ट्रेन ने असवान जा रही खड़ी ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी। फयूम जा रही ट्रेन ने असवान जा रही खड़ी ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी। काहिरा के दक्षिण में हुए भयानक रेल हादसे की तस्वीरें और वीडियो सामने आया। ट्रेन ऑपरेटर समेत 7 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। रविवार को मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इसमें एक ट्रेन ऑपरेटर समेत 7 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह जानकारी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के कार्यालय ने एक बयान में दी। परिवहन मंत्रालय के अनुसार, यह रेल हादसा काहिरा से लगभग 52 किलोमीटर दूर गीज़ा गवर्नरेट के अल-



अय्यात जिले में हुआ। दक्षिण-पश्चिमी गवर्नरेट 'फयूम' की ओर जा रही एक ट्रेन, दक्षिण की ओर 'अस्वान' जा रही दूसरी ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई। गी स्थानीय लोगों ने बढ़ाया मदद का हाथ अल-अय्यात के 'काफ़्र गिरजा' के रहने वाले अयमन जमाल ने बताया कि हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े, मलबे से लोगों को बाहर निकाला और इमरजेंसी सेवाओं को सूचित किया। जमाल ने बताया कि उन्होंने लगभग 80 घायलों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाते हुए देखा। जा-फयूम ट्रेन, काहिरा-अस्वान ट्रेन से टकराई पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के कार्यालय ने रविवार देर रात बताया कि उनके जांचकर्ता घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार, गीजा-फयूम ट्रेन, काहिरा-अस्वान ट्रेन के आखिरी डिब्बे से टकरा गई, जो उसी ट्रैक पर खड़ी थी। राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने दिए जांच के आदेश उन्होंने आगे बताया कि खड़ी ट्रेन के एक डिब्बे में कुछ यात्री फंस गए थे, जिन्हें बाहर निकाले जाने तक उनकी मौत हो चुकी थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने कहा कि उन्होंने इस हादसे की तुरंत जांच के आदेश दिए हैं, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। घटनास्थल पर इमरजेंसी टीमें और क्रेन पहुंची मिस्र रेलवे प्राधिकरण ने घोषणा की है कि मलबे को हटाने और ट्रेन सेवाओं को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए घटनास्थल पर इमरजेंसी टीमें और क्रेन भेजी गई हैं।

## मुंबई-पुणे सफर होगी आसान!

से जहां पनवेल जंक्शन को जाम से मुक्ति मिलेगा वहीं मुंबई से नवी मुंबई एयरपोर्ट और जेएनपीए तक मजबूत कनेक्टिविटी होगी। इसके शुरू होने पर दक्षिण मुंबई से पुणे के बीच यात्रा समय में करीब 60 से 90 मिनट तक की बचत होने का अनुमान है। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा पनवेल के व्यस्त मुख्य जंक्शन पर देखने को मिलेगा। फिलहाल अटल सेतु से आने वाला यातायात पनवेल में मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख राजमार्गों के वाहनों के साथ मिल जाता है, जिससे जाम की स्थिति बनती है। चिर्ले में नींव का काम 100 फीसदी पूरा यह एलिवेटेड कॉरिडोर वाहनों को इस भीड़भाड़ वाले जंक्शन से बचाते हुए सीधे एक्सप्रेसवे तक पहुंचाएगा। इससे मुंबई, नवी मुंबई, पुणे और गोवा की ओर आवाजाही अधिक सुगम होने वाली है।एमएमआरडीए के अनुसार, चिर्ले और पलस्पे खंडों में निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है। चिर्ले खंड में 113 पाइल्स और 42 ओपन फाउंडेशन सहित नींव का काम शत-प्रतिशत पूरा हो चुका है। कुल 155 में से 153 पिलर तैयार हैं। डेक स्लैब का काम 49 प्रतिशत पूरा हुआ है और 240 में से 117 स्पैन का निर्माण हो चुका है। रीइन्फोर्स्ड अर्थ (आरई) वॉल पैनल का काम 90 प्रतिशत तथा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का काम 85 प्रतिशत पूरा हो गया है। वहीं, पलस्पे खंड में 21 पाइल-ग्रुप फाउंडेशन में से 15 का निर्माण पूरा हुआ है। यहां नींव का काम 71 प्रतिशत और पिलर निर्माण 38 प्रतिशत तक पहुंचा है। गर्डर कास्टिंग पूरी हो चुकी है, जबकि आरई वॉल पैनल का 90 प्रतिशत काम पूरा है। रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जारी है। एयरपोर्ट, बंदरगाह और औद्योगिक क्षेत्रों को भी फायदा यह कॉरिडोर केवल मुंबई-पुणे यात्रा को तेज करने तक सीमित नहीं है। इससे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंच बेहतर होगी। साथ ही मुंबई-पुणे-बेंगलुरु मार्ग के राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (NH-48) और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह की ओर जाने वाले NH-348 पर यातायात का बेहतर वितरण संभव होगा। इससे मालवाहक वाहनों और लॉजिस्टिक्स गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। परियोजना की खास इंजीनियरिंग विशेषता इसका तीसरे स्तर का एलिवेटेड निर्माण है, जिसे मौजूदा सड़कों और पुलों के ऊपर विकसित किया जा रहा है। इससे उपलब्ध सड़क क्षेत्र का अधिकतम उपयोग करते हुए यातायात को निर्बाध रखने की योजना है। मुंबई इन 59 मिनट्स' विजन को मिलेगी मजबूती मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार यह कनेक्टर महाराष्ट्र के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ने, निवेश आकर्षित करने और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। उपमुख्यमंत्री एवं एमएमआरडीए अध्यक्ष एकनाथ शिंदे के मुताबिक, परियोजना से यात्रियों का समय बचेगा और पनवेल के आसपास जाम का दबाव घटेगा। वहीं, महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने 67 प्रतिशत प्रगति को महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि यह कॉरिडोर अटल सेतु और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के बीच की अहम कड़ी को पूरा करेगा। मुंबई इन 59 मिनट्स' विजन एमएमआरडीए का यह प्रोजेक्ट 'मुंबई इन 59 मिनट्स' विजन का हिस्सा है, जिसके तहत मेट्रो, एक्सप्रेसवे, सुरंगों और रिंग रोड को एकीकृत कर मुंबई महानगर क्षेत्र में तेज और निर्बाध परिवहन नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

## दिवाली के बाद पटाखों पर बैन

तावड़े पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल किया कि जब दिवाली के दौरान पटाखों से वायु प्रदूषण और आग लगने की घटनाओं का खतरा पहले से था, तो प्रशासन ने समय रहते कदम क्यों नहीं उठाया? पठान ने तंज कसते हुए कहा, बड़ी देर कर दी मेहरबान आते-आते, अब क्या? जब चिड़िया चुग गई खेत। पटाखों के बैन पर भड़के वारिस पठान वारिस पठान ने कहा कि मेयर ने पटाखों पर रोक लगाने का फैसला काफी देर से लिया है। उन्होंने मुंबई में आग की घटनाओं के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि एक दिन में फायर ब्रिगेड को 142 कॉल मिले, जिनमें से 137 घटनाएं पटाखों के कारण हुईं। उनके मुताबिक, जब पहले से ही पटाखों के खतरों को लेकर चेतावनी दी जा रही थी, तब प्रशासन ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की? मेयर बताएं, पहले कार्रवाई क्यों नहीं हुई? पठान ने कहा कि मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पटाखों के इस्तेमाल को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए थे। अभिनेत्री दिया मिर्जा ने भी दिवाली मनाने के साथ पटाखों से परहेज करने की अपील की थी। इसके बावजूद इन चेतावनियों और अपीलों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने सवाल किया कि जब मेयर ने पहले पटाखों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताने वालों का विरोध किया था और लोगों से कहा था कि उन्हें पता है कि दिवाली कैसे मनानी है, तो अब अचानक प्रतिबंध लगाने की जरूरत क्यों महसूस हुई? उन्होंने मेयर से पूछा कि इतने दिनों तक इस दिशा में कदम क्यों नहीं उठाया गया। पठान ने डोंगरी में लगी आग का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना में कई लोगों का कारोबार प्रभावित हुआ। उन्होंने सवाल किया कि जिन लोगों का नुकसान हुआ, उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा और प्रशासन इसकी जवाबदेही किस पर तय करेगा? रात तीन बजे तक सुनाई दे रही थी पटाखों की आवाज दिवाली के बाद मुंबई में बढ़े वायु और ध्वनि प्रदूषण को लेकर भी वारिस पठान ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद भी हवा में घुटन महसूस हुई। पठान के मुताबिक, पटाखे चलाने की अनुमति रात 12 बजे तक होने की बात कही गई थी, लेकिन उन्होंने रात करीब तीन बजे तक पटाखों की आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि दिवाली के बाद सोशल मीडिया पर लोग वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण को लेकर अपनी परेशानी साझा कर रहे हैं। कई लोगों ने पटाखों की तेज आवाज से डरे हुए जानवरों के वीडियो और तस्वीरें भी साझा की हैं। पठान ने कहा कि हर व्यक्ति को अपना त्योहार मनाने का अधिकार है, लेकिन उत्सव का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे दूसरे नागरिकों और बेजुबान जानवरों को परेशानी हो। 25 नवंबर तक रॉकेट और हवाई पटाखों पर प्रतिबंध मुंबई में आग की घटनाओं के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 9 नवंबर से 25 नवंबर 2026 की रात 11:59 बजे तक रॉकेट और इसी तरह के आसमान में उड़ने वाले पटाखों पर प्रतिबंध लगाया है। यह रोक सार्वजनिक और निजी परिसरों, इमारतों की छतों, बालकनी, आंगन और अन्य स्थानों पर लागू है। यह सभी प्रकार के पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पठान ने कहा कि प्रतिबंध पहले लगाया जाना चाहिए था। अब जब आग की घटनाएं हो चुकी हैं और लोगों को नुकसान उठाना पड़ा है, तो केवल प्रतिबंध लगा देने से जवाबदेही का सवाल खत्म नहीं हो जाता। उन्होंने मांग की कि आग की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों और लापरवाही बरतने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। पठान ने कहा कि मुंबईकर जानना चाहते हैं कि समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई और जिन लोगों को नुकसान हुआ, उन्हें न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने मेयर और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से पूरे मामले पर जवाब देने की मांग की।

## मुंबई में दिवाली पर पटाखों से 24

9076333105 पटाखे जलाते समय इन बातों का रखें ध्यान पटाखे हमेशा खुले और सुरक्षित स्थान पर जलाएं। इमारतों, दुकानों, पेट्रोल पंप और बिजली के ट्रांसफॉर्मर के पास पटाखे न जलाएं। पास में पानी की बाल्टी या अग्निशामक यंत्र रखें। बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें। हाथ में पकड़कर पटाखे न जलाएं और रॉकेट इमारतों की ओर न छोड़ें। नहीं फूटे पटाखों को दोबारा जलाने की कोशिश न करें। सिंथेटिक और ढीले कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें। बालकनी और छत पर ज्वलनशील सामग्री न रखें। आग लगने पर घबराएं नहीं और सुरक्षित स्थान पर पहुंचें। तत्काल अग्निशमन दल या बीएमसी को सूचना दें। BMC ने नागरिकों से अपील की है कि दिवाली का त्योहार खुशियों और उत्साह के साथ मनाएं, लेकिन अपनी और दूसरों की सुरक्षा से समझौता न करें।

## महाराष्ट्र में सूखे से जूझ रहे किसानों

न्यास के अध्यक्ष सदानंद सरवणकर और कोषाध्यक्ष आचार्य पवनकुमार त्रिपाठी ने चेक सौंपा। पिछले साल बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए भी न्यास ने 10 करोड़ रुपये दिए थे। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में सूखे की स्थिति से जूझ रहे किसानों और प्रभावित नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास ने मुख्यमंत्री सहायता निधि में 10 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी है। सोमवार को न्यास की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 10 करोड़ रुपये का चेक सौंपा गया। यह चेक न्यास के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त सदानंद सरवणकर और कोषाध्यक्ष आचार्य पवनकुमार त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री को सौंपा। न्यास प्रबंधन समिति ने यह निर्णय सूखा प्रभावित किसानों और नागरिकों को आर्थिक संबल प्रदान करने तथा संकट की घड़ी में उनके साथ खड़े रहने की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत लिया है। इस अवसर पर न्यास की विश्वस्त मीना कांबली, महेश मुदलियार, गोपाल दलवी, जितेंद्र राऊत, मनीषा तुपे, सुदर्शन सांगले और कार्यकारी अधिकारी राखी चव्हाण उपस्थित थे। पिछले साल बाढ़ पीड़ितों को भी दिए थे 10 करोड़ सिद्धिविनायक मंदिर न्यास ने पिछले वर्ष महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में अतिवृष्टि के कारण आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहायता निधि में 10 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। प्राकृतिक आपदाओं के समय राज्य के नागरिकों की मदद के लिए आगे आने की अपनी परंपरा को कायम रखते हुए न्यास ने एक बार फिर सामाजिक सरोकार और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट ने एक सराहनीय कदम उठाया न्यास के इस कदम को सूखाग्रस्त किसानों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इससे राज्य सरकार के राहत एवं पुनर्वास प्रयासों को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इससे पहले, 29 सितंबर को महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंभीर बाढ़ की स्थिति को देखते हुए देश के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने एक सराहनीय कदम उठाया था। ट्रस्ट ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 करोड़ रुपए का योगदान देने की घोषणा की थी। इस बात की जानकारी श्री सिद्धिविनायक मंदिर के आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट पर प्रेस रिलीज शेयर करके दे दी गई।

## किसान की झोपड़ी में दिवाली

दिया? किसान परिवार ने शिंदे को बाजरा, ज्वार और छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर भेंट की। यह परिवार की ओर से स्नेह का प्रतीक था। वहीं, शिंदे ने अंबादास तांगड़े, उनकी पत्नी और तीनों बच्चों को कपड़े दिए। किसान अंबादास तांगड़े ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि कोई उपमुख्यमंत्री उनके घर आएगा और परिवार के साथ खाना खाएगा। उन्होंने कहा, हम उनके आने से बेहद खुश हैं। मेरे पास केवल एक एकड़ जमीन है। इस साल मैंने सोयाबीन की खेती की थी। लेकिन पूरी फसल से केवल दो बोरी ही सोयाबीन मिला।

## मुंबई: शिवाजी पार्क में पटाखों से फैले

194, 2024 में 181 और 2023 में 149 दर्ज किया गया था। दिन के समय हवा की गुणवत्ता बेहतर रहने के पीछे अनुकूल मौसम और तेज समुद्री हवाओं को प्रमुख कारण माना गया। इन हवाओं ने प्रदूषकों को फैलाने में मदद की। हालांकि, शाम को पटाखों की आतिशबाजी शुरू होने के बाद प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ने लगा और शहर के कई हिस्सों में धुंध छा गई। अंधेरी में PM2.5 का स्तर 597 तक पहुंचा पटाखों के धुएं का असर शहर के अलग-अलग इलाकों में प्रदूषण के आंकड़ों में भी दिखाई दिया। अंधेरी में PM2.5 का स्तर रात 8 बजे 42 था, जो अगले दो घंटों के भीतर बढ़कर 597 तक पहुंच गया। मलाड में PM2.5 की सांद्रता 606 तक दर्ज की गई। वहीं, चेंबूर में रात 10 बजे PM10 का स्तर 480 तक पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि दिन में अपेक्षाकृत साफ रही मुंबई की हवा आतिशबाजी के बाद कई इलाकों में तेजी से प्रदूषित हुई। शिवाजी पार्क के स्थानीय निवासियों की शिकायत ने एक बार फिर त्योहारों के दौरान आतिशबाजी, ध्वनि प्रदूषण और सार्वजनिक स्थानों पर नियमों के पालन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पृष्ठ 1/8 का शेष

## मुंबई की BDD चॉल का बदलेगा

पहले चरण में तैयार तीन पुनर्वास इमारतों के 556 पात्र निवासियों को फ्लैटों की चाबियां सौंपी जा चुकी हैं। लोअर परेल के एनएम जोशी मार्ग स्थित बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना के तहत सभी सुविधाओं से लैस एक आत्मनिर्भर कॉलोनी तैयार की जा रही है। इस परियोजना में शामिल नई इमारतों की साझी सुविधाओं और देखरेख की पूरी जिम्मेदारी म्हाडा अगले 12 वर्षों तक खुद संभालेगी। परियोजना में आधुनिक आवासों के साथ अस्पताल, वेलनेस सेंटर, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, सोलर पावर और रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी पर्यावरण अनुकूल प्रणालियों का विशेष प्रबंध किया गया है। एनएम जोशी मार्ग की लगभग 13.49 एकड़ जमीन पर ग्राउंड प्लस 3 मंजिला कुल 32 चॉलों में करीब 2,500 किराएदार और निवासी रह रहे थे। लगभग दो-तीन पीढ़ियों से 160 वर्ग फुट के कमरे में गुजर-बसर कर रहे पात्र निवासियों को म्हाडा की ओर से 500 वर्ग फुट कारपेट एरिया वाला आधुनिक 2 बीएचके फ्लैट पूरी तरह मुफ्त दिया गया है। निवासियों के स्वास्थ्य के लिए विशेष केंद्र स्थापित पहले चरण में बनकर तैयार हुई तीन पुनर्वास इमारतों के 556 पात्र निवासियों को हाल ही में इन फ्लैटों की चाबियां सौंपी गई है। परियोजना के तहत बन रही सभी इमारते उन्नत भूकंपरोधी तकनीक पर आधारित है। प्रत्येक इमारत में तेज आवाजाही के लिए दो पैसेंजर लिफ्ट और आपातकालीन स्थिति के लिए एक विशेष फायर लिफ्ट लगाई गई है। सुरक्षा के मद्देनजर हर फ्लोर पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा वाहनों के व्यवस्थित ठहराव के लिए तीन मंजिला बेसमेंट पार्किंग, स्टिल्ट क्षेत्र और एक सुरक्षित पोडियम का निर्माण किया जा रहा है। परिसर के भीतर ही बच्चों की शिक्षा और निवासियों के स्वास्थ्य के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। नायगांव समेत तीनों इलाकों में 15 हजार से अधिक परिवारों का पुनर्वास वरली के एनएम जोशी मार्ग-लोअर परेल और नायगांव की लगभग 68 एकड़ भूमि पर फैली 151 चॉलों के 15,573 निवासियों का पुनर्वास किया जा रहा है। परियोजना के विवरण के अनुसार एनएम जोशी मार्ग पर 2,560 आवासीय व व्यावसायिक इकाइयों के लिए 14 पुनर्वास इमारतें बन रही हैं। वरली में 9,689 इकाइयों के लिए 34 बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। वहीं नायगांव दादर में 3,344 आवासीय व गैर-आवासीय इकाइयों के लिए 20 पुनर्वास इमारतों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। वरली परियोजना में अब तक 2,133 घरों का लोकार्पण वरली बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना के तहत अब तक तीन अलग-अलग चरणों में कुल 2, 133 पुनर्वास फ्लैटों का लोकार्पण पूरा किया जा चुका है। इसके तहत 14 अगस्त 2025 को पहले चरण में 556 फ्लैट बांटे गए थे। इसके बाद 22 मई 2026 को ए से एच विंग के 827 फ्लैट और 10 सितंबर 2026 को बी व सी विग के 750 फ्लैट पात्र परिवारों को सौंपे गए।

## सुरक्षा पहले, तभी पटरी पर

मुताबिक, यह सेवा शहर की भारी भीड़ और बनावट के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण रही है, लेकिन तमाम तकनीकी खामियों के बावजूद इसे हमेशा के लिए बंद करने की कोई योजना नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि अब कमियों को पूरी तरह दूर कर सुरक्षा पुख्ता की जाएगी, उसके बाद ही आम जनता को इसमें सफर की इजाजत दी जाएगी। बता दें कि मोनो रेल सेवा अपनी शुरुआत से ही विवादों और तकनीकी बाधाओं में घिरी रही है। विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल शुरुआती दौर में कम यात्री संख्या के चलते यह परियोजना भारी घाटे का शिकार हुई, जिसके बाद लगातार होते हादसों और तकनीकी खराबी ने इसकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। सितंबर 2025 में मानसून के दौरान लगातार सामने आई तकनीकी समस्याओं के बाद इसे एहतियातन बंद कर दिया गया था। फिलहाल मरम्मत और सुरक्षा ट्रायल का काम चल रहा है और अंतिम मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। लागू नहीं किया जा सका मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी व्यवस्था मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी की बैठक में स्टेशनों के बाहर शेयर ऑटो सेवा शुरू करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, लेकिन करीब दो साल बीत जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर यह व्यवस्था लागू नहीं हो सकी है, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मिल सके भरोसेमंद सफर एमएमआरडीए महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी ने कहा कि यात्रियों की जान और सुरक्षा हमारे लिए किसी भी समयसीमा से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। हम मोनो रेल को पूरी तरह तकनीकी रूप से सक्षम और सुरक्षित बनाकर ही दोबारा पटरी पर उतारेंगे, ताकि मुंबई के आम नागरिको को एक निर्बाध और पूरी तरह भरोसेमंद सफर मिल सके।

## दिवाली के बाद मुंबई-नागपुर की हवा

चलता है कि मुंबई महानगर क्षेत्र के कई शहरों में वायु गुणवत्ता एक जैसी चुनौती बन रही है। पुणे, नासिक और संभाजीनगर का क्या हाल? महाराष्ट्र के अपेक्षाकृत स्वच्छ शहरों की रैंकिंग में धुले और जलगांव 81 AQI के साथ पहले स्थान पर हैं।

महाड का आंकड़ा 84 है, जबकि बेलापुर और मालेगांव का AQI 96 दर्ज किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि पुणे, नासिक और छत्रपति संभाजीनगर भी इस सूची में शामिल हैं, लेकिन इनका AQI 100 से ऊपर है। इस तुलना से पता चलता है कि महाराष्ट्र के सभी शहरों में प्रदूषण की स्थिति एक जैसी नहीं है। कुछ शहरों में अपेक्षाकृत बेहतर हवा है, जबकि मुंबई, नागपुर और ठाणे जैसे शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर अधिक दर्ज किया गया है।

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई
CITY NEWS MUMBAI
मंगलवार , 10 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई



# सुरक्षा पहले, तभी पटरी पर लौटेगी मोनो रेल

## सेफ्टी की कसौटी पर खरा उतरने तक थमे रहेंगे पहिए

मुंबई मोनोरेल सेवा की वापसी को लेकर MMRDA ने बड़ा बयान दिया है। प्राधिकरण के मुताबिक, तकनीकी खामियां दूर करने और सुरक्षा परीक्षण पूरा होने के बाद ही मोनोरेल दोबारा शुरू होगी। MMRDA ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होने तक मुंबई मोनोरेल सेवा बंद रहेगी। मोनोरेल के पिलर और दरवाजों की बनावट में तकनीकी चुनौतियां सामने आई हैं। इन्हें दूर करने के लिए सुधार कार्य और सुरक्षा परीक्षण जारी हैं। मानसून के दौरान लगातार तकनीकी समस्याएं सामने आने के बाद सितंबर 2025 में मोनोरेल सेवा एहतियातन बंद कर दी गई थी। मो पिलर और दरवाजों की बनावट में तकनीकी पेचीदगी प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, मोनोरेल के पिलर और दरवाजों की बनावट में कई पेचीदा तकनीकी चुनौतिया रही हैं। यही वजह है कि इसके



संचालन को लेकर बेहद सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों का मुख्य जोर इस बात पर है कि ट्रेन तभी पटरी पर लौटे, जब वह हर लिहाज से सुरक्षित हो। प्राथमिकता यह तय की गई है कि संचालन के दौरान किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। इसके अलावा, कई रिहायशी इमारतें ट्रैक से बहुत कम दूरी पर स्थित हैं, जिससे सुरक्षा का यह मुद्दा और अधिक संवेदनशील हो जाता है। पिछले कई वर्षों से इसकी तकनीकी जांच और टेस्टिंग का काम लगातार जारी है। यदि प्रशासन का इरादा इसे बंद करने का होता, तो इसके विस्तार और रखरखाव के लिए नए टेंडर कभी जारी नहीं किए जाते। नोरेल को लेकर जारी अनिश्चितताओं के बीच महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ने साफ कर दिया है कि जब तक यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती, तब तक इसके पहिए थमे रहेंगे। तकनीकी सुधार पूरे होने और पूर्ण सुरक्षा की कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही मोनो रेल की वापसी होगी। प्राधिकरण के ...शेष 7 पर

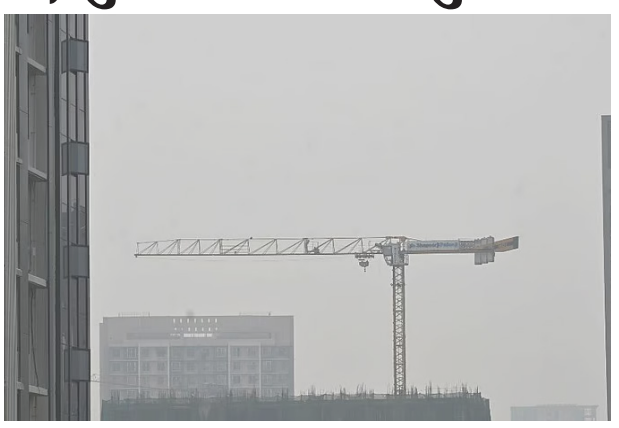
## मुंबई-पुणे सफर होगी आसान! अटल सेतु को एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाला कनेक्टर 67% पूरा, 90 मिनट तक बचेगा समय



मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले 7.35 किमी लंबे 6-लेन एलिवेटेड कनेक्टर का 67% काम पूरा हुआ। पनवेल जाम-मुक्त होगा और नवी मुंबई एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। अटल सेतु और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाली परियोजना 67 प्रतिशत पूरी। 7.35 किलोमीटर लंबा छह लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जा रहा है। दक्षिण मुंबई से पुणे के सफर में 60 से 90 मिनट तक बचने का अनुमान। नवी मुंबई एयरपोर्ट, जेएनपीए और औद्योगिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। मुंबई से पुणे जाने वाले वाहन चालकों के लिए बड़ी राहत मिलने वाली है। अटल सेतु (मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक) को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली 7.35 किमी लंबी 6-लेन की एलिवेटेड कनेक्टर परियोजना का 67 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। नवी मुंबई एयरपोर्ट और जेएनपीए की कनेक्टिविटी एमएमआरडीए की इस बहुउद्देश्यीय परियोजना...शेष 7 पर

## मुंबई: शिवाजी पार्क में पटाखों से फैले प्रदूषण पर भड़के स्थानीय लोग, पुलिस स्टेशन पहुंचकर की शिकायत

मुंबई के शिवाजी पार्क में दिवाली पर आतिशबाजी से फैले धुएं के खिलाफ स्थानीय लोगों ने पुलिस से शिकायत की। अंधेरी में PM2.5 का स्तर 597 तक पहुंचा। शिवाजी पार्क मैदान में दीपावली के दिन लोगों ने जमकर आतिशबाजी की थी। धुएं और तेज आवाज से परेशान होकर स्थानीय निवासी पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर लोगों ने विरोध की चेतावनी दी। दीपावली पर मुंबई की हवा दिन के समय पिछले कुछ वर्षों की तुलना में साफ रही, लेकिन शाम होते ही आतिशबाजी ने प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा दिया। शहर के शिवाजी पार्क में बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़े जाने से आसपास के इलाकों में धुआं फैल गया। इससे नाराज स्थानीय निवासियों ने सोमवार को शिवाजी पार्क पुलिस



स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और पटाखे फोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाए। शिवाजी पार्क में आतिशबाजी पर बवाल स्थानीय नागरिकों के मुताबिक, लक्ष्मी पूजन के दिन शिवाजी पार्क मैदान में बड़ी संख्या में लोग दीपावली मनाने पहुंचे थे। इस दौरान मैदान में जमकर आतिशबाजी की गई। पटाखों से निकलने वाले धुएं और तेज आवाज के कारण आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नागरिकों का आरोप है कि इलाके में पुलिस की गश्त मौजूद होने के बावजूद पटाखे फोड़ने वालों के खिलाफ कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। इसी मुद्दे को लेकर सोमवार को स्थानीय निवासी पुलिस स्टेशन पहुंचे और पुलिस प्रशासन से जवाब मांगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह पटाखे फोड़कर प्रदूषण फैलाया गया, तो वे इसका विरोध करेंगे। अब इस मामले में पुलिस और मुंबई महानगरपालिका की ओर से क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर सबकी नजर है। दिन में साफ रही मुंबई की हवा, रात में तेजी से बढ़ा प्रदूषण दीपावली के दिन मुंबई का औसत AQI 132 दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में दर्ज 188 के मुकाबले करीब 30 प्रतिशत कम था। रविवार दोपहर करीब 1 बजे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के डैशबोर्ड पर मुंबई शहर का AQI 131 दर्ज किया गया। यह पिछले चार वर्षों में दीपावली की दोपहर के सबसे बेहतर आंकड़ों में से एक रहा। तुलना करें तो 2025 में इसी समय AQI ...शेष 7 पर

## दिवाली के बाद मुंबई-नागपुर की हवा में बढ़ा प्रदूषण, पुणे और नासिक का AQI भी 100 पार; पढ़ें पूरी लिस्ट

दिवाली के बाद महाराष्ट्र में वायु प्रदूषण की स्थिति जानिए। AQI. in के आंकड़ों में मुंबई 162, नागपुर 160 और ठाणे 151 AQI के साथ प्रदूषित शहरों में शामिल हैं। दिवाली के बाद मुंबई और नागपुर जैसे शहरों की हवा में प्रदूषण काफी बढ़ा है। AQI के आंकड़ों के मुताबिक मुंबई 162 और नागपुर 160 के साथ सबसे प्रदूषित हैं। पुणे और नासिक में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 के पार दर्ज किया गया है। दिवाली पर आतिशबाजी और पटाखों का शोर भले ही थम गया हो, लेकिन इनके धुएं का असर महाराष्ट्र के कई शहरों की हवा में दिखाई दे रहा है।



मुंबई, नागपुर, मीरा-भायंदर और ठाणे जैसे शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है। AQI की रियल-टाइम रैंकिंग में मुंबई 162 AQI के साथ महाराष्ट्र के सबसे प्रदूषित शहरों में पहले स्थान पर है, जबकि नागपुर 160 AQI के साथ दूसरे नंबर पर है। पुणे और नासिक की हवा भी पूरी तरह साफ नहीं है। दूसरी ओर धुले और जलगांव जैसे शहरों में अपेक्षाकृत बेहतर वायु गुणवत्ता दर्ज की गई है। सवाल है कि दिवाली के बाद महाराष्ट्र के शहरों की हवा का कितना बिगड़ा है, किन शहरों में स्थिति ज्यादा चिंताजनक है और इसका स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ सकता है? महाराष्ट्र के सबसे प्रदूषित शहर कौन से हैं? महाराष्ट्र के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की रैंकिंग में मुंबई 162 AQI के साथ पहले स्थान पर है। नागपुर 160 AQI के साथ दूसरे और मीरा-भायंदर 159 AQI के साथ तीसरे स्थान पर है। ठाणे का AQI 151 दर्ज किया गया है। इस सूची में मुंबई और नागपुर के बीच केवल 2 अंकों का अंतर है। वहीं मीरा-भायंदर भी 159 AQI के साथ मुंबई और नागपुर के काफी करीब है। ठाणे का आंकड़ा 151 है। इससे पता ..शेष 7 पर

## मुंबई की BDD चॉल का बदलेगा स्वरूप, पात्र निवासियों को मुफ्त मिलेंगे 500 वर्ग फुट के आधुनिक 2BHK फ्लैट



मुंबई के लोअर परेल स्थित एनएम जोशी मार्ग BDD चॉल पुनर्विकास परियोजना के तहत पात्र निवासियों को 500 वर्ग फुट के आधुनिक 2BHK फ्लैट मुफ्त दिए जा रहे हैं। एनएम जोशी मार्ग की BDD चॉल के पात्र निवासियों को पुराने 160 वर्ग फुट के कमरों के बदले 500 वर्ग फुट कारपेट एरिया वाले आधुनिक 2BHK फ्लैट दिए जा रहे हैं। नई इमारतों की साझा सुविधाओं और रखरखाव की जिम्मेदारी म्हाडा अगले 12 वर्षों तक खुद संभालेगा। ...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486